उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) १९५६ में देश में ६,६१,५७२ साइकिलें तैयार की गयी ।

(ख) १९५६ में निर्माताओं ने देश के विक्रेताओं को ६,६६,५८३ साइकिलें भेजी । उन्होंने देश में कितनी साइकिलें बेचीं और कितनी निर्यात की, इसके आकड़े उपलब्ध नही हैं । पहले साइकिलों का नाम मात्र का निर्यात होता था ।

ढलाई चूर्ण

१३८६. **श्रीमती गंगादेवी** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिजली का बढ़िया किस्म के प्लास्टिक का सामान बनाने के लिये विदेश से कितने परिणाम म ढलाई चूर्ण मगाया जा रहा है ;

(ख) क्या विदेशी चूरे के मुकाबले का चूरा देश म तैयार करने के लिये भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित प्रतिमान के अनुसार चूरा भारत में तैयार होना आरम्भ हुआ है ; और

(ग) यदि नही तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) शायद माननीया सदस्या का मतलब फिनौल-फार्मलडीहाइड ढलाई चूर्ण से है : जो बिजली का सामान बनाने के काम आता है । जनवरी-जून १९५७ की अवधि में २२१४ हंडरवेट चूर्ण का आयात किया गया ।

(ख) तथा (ग). भारतीय फर्मों ने बढ़िया किस्म का ढलाई चूर्ण बनाना शुरू कर दिया है जो १९५४ की ब्रिटिश प्रतिमान सं० ७७१ के अनुरूप होता है । भारतीय निर्माता अपने यहां आवश्यक मशीन लगा रहे हैं जिससे यह परीक्षण किया जा सके कि चूर्ण प्रतिमान के अनुरूप है या नही । भारतीय प्रतिमानशाला ने अभी इस चूर्ण का राष्ट्रीय प्रतिमान अंतिम से तैयार नही किया है ।

बाट तथा माप

१३८७. **श्री भूलन सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पुराने बाटों तथा मापों को नये बाटों और मापों में बदलने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ; और

(ख) क्या इसके लिये कोई शुल्क लेने का निश्चय किया गया है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) कोई कार्यवाही नही की गई है क्योंकि पुराने बाटो तथा मापो को नये बाटों तथा मापो में बदलना व्यावहारिक नही समझा गया है ।

(ख) प्रश्न ही नही उठता ।

सिंदरी उर्वरक कारखाना

१३८८. **श्री भूलन सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि अमोनियम सल्फेट, नाइट्रेट और यूरिया का उत्पादन बढाने के लिये सिन्दरी उर्वरक कारखाने के विस्तार के बारे में क्या प्रगति हुई है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : सिन्दरी विस्तार योजना के लिये मेसर्स माण्टेकेटिनी द्वारा अतिरिक्त सयन्त्र लगाये जाने के बारे में काफी प्रगति हो चुकी है । मेसर्स कॉपी द्वारा लीन गैस प्लाण्ट लगाया जा रहा है । सिन्दरी कम्पनी ने जिन कार्यों को विभागो द्वारा कराना शुरू किया था वे समाप्त हो गये हैं । आशा है ये संयन्त्र १९५८-५९ के मध्य से चालू हो जायेंगे ।

नेपा पेपर मिल्स

१३९०. **श्री भूलन सिंह** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेपा पेपर मिल्स में जो मशीनें